राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं
अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष 14 अंक 02, मार्च — अप्रैल 2013

एनआईटीटीटीआर का स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न

समाज कल्याण में हो रिसर्च और टेक्नोलॉजी का उपयोग: एम.एन.बुच

संबोधित करते श्री एम.एन. बुच

एनआईटीटीटीआर भोपाल ने अपने 49वें स्थापना दिवस समारोह पर विषय **"Revitalizing NITTTR, Bhopal @50: Challenges & Prospects** पर दिनांक 6–7 अप्रैल को दो–दिवसीय सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव श्री एम.एन. बुच ने इस अवसर पर कहा कि आज देश के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में फैकल्टी की 50 प्रतिशत तक कमी है अच्छे शिक्षक नहीं मिल रहें हैं। हमारे इंजीनियरिंग स्नातक रोजगार प्राप्त करने योग्य क्षमता नहीं रखते। ग्रामीण इलाकों की आबादी आज भी सुख सुविधाओं से वंचित है। रिसर्च और टेक्नोलॉजी का उपयोग समाज की समस्याओं के समाधान के लिये होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि फैकल्टी डेवेलपमेंट में एनआईटीटीटीआर जैसी संस्थाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी के ज्ञानार्जन के स्तर पर जाकर पढ़ाये और उनके विचारों को सही दिशा दे पाये। उच्च कोटि के शिक्षण संस्थान जब तक अनुसंधान की और नहीं बढ़ेंगे तब तक हम सिर्फ नकल ही करते रहेंगे। आज इंजीनियरिंग में प्रतिवर्ष लगभग आठ हजार पी.एच.डी. धारकों की आवश्यकता होती है जबकि आज इस क्षेत्र में मात्र आठ सौ पीएच.डी. उपाधि धारक निकल पा रहे हैं। डॉ. संतोष चौबे, कुलाधिपति आईसेक्ट विश्वविद्यालय ने अपना आधार वक्तव्य देते हुए कहा कि देश में 92 प्रतिशत रोजगार असंगठित एवं 8 प्रतिशत रोजगार के अवसर संगठित क्षेत्र में हैं। हमें असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के कौशल विकास पर ध्यान देना जरूरी है।

आने वाले समय में 50 करोड़ लोगों का कौशल विकास किया जाना है ऐसे में निटर की भूमिका महत्वपूर्ण है। डॉ. चौबे ने एनआईटीटीटीआर भोपाल, के पिछले वर्षों में हुये चहुमुखी विकास के लिये प्रो. अग्रवाल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज ज्ञानार्जन के नये–नये स्रोत हमारे सामने हैं अतः शिक्षक का दायित्व भी तेजी से परिवर्तित हुआ है। लैंग्वेज और कन्टेन्ट दोनों तकनीकी शिक्षा में मुख्य भूमिका निभाते हैं अतः भारतीय भाषाओं में टेक्नोलॉजी की पुस्तकें उपलब्ध होना चाहिए। शैक्षणिक संस्थाओं की समाज के साथ नेटवर्किंग जरूरी है। शैक्षणिक संस्थाओं का उद्देश्य मांग पर आधारित होना चाहिए।

अपने स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने कहा कि 50 वर्ष किसी भी शैक्षणिक संस्थान के जीवन के लिये महत्वपूर्ण होते हैं मुझे खुशी है कि इस संस्थान ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट योगदान द्वारा अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने भोपाल के इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया को सकारात्मक, रचनात्मक व संवेदनशील बताते हुए धन्यवाद दिया कि उन्होंने इस संस्थान की छवि के निर्माण में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। सिर्फ पश्चिमी क्षेत्र में ही नहीं आज इस संस्थान ने अपनी राष्ट्रव्यापी छवि बनाई है।

आज हम अपने विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं जिससे वह एक अच्छा इंसान बन सके। एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. एम.पी. पूनिया ने कहा

संबोधित करते आईसेक्ट वि.वि. के कुलाधिपति
प्रो. संतोष चौबे

स्थापना दिवस पर प्रो. अमिताभ घोष की शुभकामनाएं

संस्थान के 49वें स्थापना दिवस के अवसर पर अध्यक्ष संचालक मंडल प्रो. अमिताभ घोष ने भेजे अपने संदेश में कहा कि मैं संस्थान के सभी सदस्यों को इस अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। अपने संदेश में प्रो. घोष ने कहा कि मुझे इस बात से बेहद प्रसन्नता है कि यह संस्थान अपनी स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहा है। 50 वर्ष किसी भी संस्थान के लिये पर्याप्त समय होता है और एनआईटीटीटीआर ने इन वर्षो में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। मुझे इस बात में कतई संदेह नहीं कि निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल के नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षो में इस संस्थान ने चहुंमुखी विकास कर अपनी गतिविधियों को विस्तार दिया है। मैं स्थापना दिवस 7 अप्रैल को होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की सफलता के लिये भी शुभकामना देता हूँ।

श्री एम.एन. बुच को सम्मानित करते प्रो. विजय अग्रवाल

संबोधित करते चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. एम.पी. पूनिया

कि एनआईटीटीटीआर के ऊपर शिक्षकों के प्रशिक्षण का बड़ा दायित्व है। यदि रेल्वे, हॉस्पिटल, किसान 24 घंटे काम कर सकते हैं तो शैक्षणिक संस्थान क्यों नहीं? टाटा मोटर्स के ग्लोबल हेड श्री संजीव गर्ग ने उद्योगों की आवश्यकता अनुसार इंजीनियरिंग स्नातकों की योग्यता व क्षमता विकास पर अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि समय के साथ टेक्नोलॉजी में तेजी से परिर्वतन आया है। यदि हमने अपने आपको समय के साथ नही बदला तो हम बहुत पीछे छूट जायेंगें।

इस अवसर पर प्रो. पी.व्ही. खड़ीकर के परिवार द्वारा प्रदत्त लगभग 70 लाख मूल्य की बहुमूल्य पुस्तकों से निर्मित लाईब्रेरी का उद्घाटन श्रीमती कुसुम खड़ीकर एवं श्री बुच के हाथों किया गया। साथ ही एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा पिछले वर्षो की उपलब्धियों पर आधारित फिल्म ''सर्वांग विकास की नई दिशायें'' का प्रदर्शन भी किया गया।

स्थापना दिवस पर सेमिनार आयोजित

तकनीकी शिक्षा में इनोवेशन और क्रियेटीविटी जरूरी

स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते विशेषज्ञ

एनआईटीटीटीआर के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर देशभर के जाने माने चिंतक एवं विचारकों ने चर्चा की। एसपीए भोपाल के निदेशक प्रो. अजय खरे ने तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में निटर भोपाल की सकारात्मक पहल के अच्छे परिणाम आयेंगे। यहां आयोजित होने वाले कार्यक्रम अन्य संस्थाओं के लिये एक मिसाल हो सकते हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि स्थापना दिवस स्वर्णिम अतीत के गौरव से सीखते हुये भविष्य को संवारने हेतु प्रतिबद्धता का समय होता है। समाज की हमसे क्या अपेक्षायें है? इसका मूल्यांकन करने का भी समय होता है। आज तकनीकी शिक्षा के विकास की गति बहुत तेज है। भारत को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार के साथ एक नेतृत्व क्षमता का विकास करना चाहिए। जिससे वह एशिया पेसिफिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सके। इस अवसर पर यूनेस्को यूनीवॉक जर्मनी के महानिदेशक प्रो. श्यामल मजूमदार ने जर्मनी से भेजे अपने संदेश में कहा कि शिक्षक का दायित्व आज बड़ा हो गया है। शिक्षक को एक अच्छे प्रबंधक की तरह कार्य करना पड़ता है। एशिया के विभिन्न तकनीकी शिक्षण/औद्योगिक संस्थानों के बीच एक बेहतर नेटवर्किंग की आवश्यकता है। भारत के सामने इस क्षेत्र में कई चुनौतियां हैं और उसे वैश्विक संदर्भ में सोचना होगा। छत्तीसगढ़ तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.सी. मल ने छत्तीसगढ़ राज्य में तकनीकी शिक्षा के क्रमिक विकास पर व्याख्यान दिया। एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के प्रो. आर. सुब्रमण्यम ने सेल्फ डायरेक्टेड स्टूडेन्ट सेन्टर्ड लर्निंग पर फोकस करते हुए कहा कि एनआईटीटीटीआर के नाम के साथ ट्रेनिंग और रिसर्च जुड़ा हुआ है। हमें दोनों के साथ न्याय करना है। देश में तकनीकी शिक्षकों व अच्छे कोर्स मटेरियल की कमी है। तकनीकी शिक्षा में रिसर्च, स्टूडेन्ट सेन्टर्ड लर्निंग, एग्ज़ामिनेशन रिफॉर्म की जरूरत है। प्रो. पी.डी. कुलकर्णी ने शिक्षण की गुणवत्ता सुधारने पर बल दिया जिससे क्वालिटी प्रोडक्ट तैयार हो सकें।

उन्होंने छात्रों के नॉलेज, स्किल्स एण्ड एटीट्यूड डेवेलपमेंट के मनोवैज्ञानिक पक्ष पर सुझाव दिये। प्रो. वाय.के. आनन्द ने फैकल्टी के प्रोफेशनल डेवेल्पमेंट, एनआईटीटीटीआर

स्वास्थ्य परीक्षण करते डॉ. एन. बनर्जी

चैन्नई के प्रो. डी. व्रहदीशरन ने इन्स्टीट्यूशनल एक्सिलेंस, प्रो. के.एम. रस्तोगी ने निटर भोपाल की हाल ही के वर्षों में हासिल उपलब्धियों एवं भावी परियोजनाओं पर वक्तव्य दिया। प्रो. डी.एस. करौलिया ने संस्थान के 49 वर्षों के कार्यों का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया। प्रो. अंजली पोटनीस ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रातः संस्थान के अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए हेल्थ कैंप एवं शाम को फिल्म शो का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में एनआईटीटीटीआर, भोपाल अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण कर गोल्डन जुबली मनाने जा रहा है। इस अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के संयोजक प्रो. पराग दुबे थे।

स्थापना दिवस पर काव्य संध्या का आयोजन

एनआईटीटीटीआर में स्थापना दिवस के अवसर पर काव्य संध्या का आयोजन किया गया जिसमें देश के शीर्षस्थ कवियों ने अपना रचनापाठ किया। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने कवियों का स्वागत करते हुए उनका परिचय दिया। कवि सम्मेलन में श्री बुद्धिसेन शर्मा, इलाहाबाद की कविता "मंजिल वो पा नहीं सकता जिसको होता है ये रोग, कदम–कदम पर सोचना, क्या सोचेंगें लोग" श्री शर्मा की दूसरी कविता "मछली कीचड़ में फँसी बोली या अल्लाह, पानी सारा पी गये दरिया के मल्लाह" ने श्रोताओं की तालियाँ बटोरी। श्री यश मालवीय, इलाहाबाद, की कविता 'तुम्हारी ये अदा कितनी भली मालूम होती है, नज़र उठती नहीं, उठती हुई मालूम होती है" को श्रोताओं ने पसंद किया। लखनऊ के श्री नरेश सक्सेना, की रचना "शिशु लोरी के शब्द नहीं, संगीत समझता है, बाद में सीखेंगे भाषा अभी तो अर्थ समझता है"। श्री सक्सेना की द्वितीय रचना "तीन बहनें निकली घर से बाहर तालाब में डूबने" ने माहौल को गमगीन कर दिया। रीवा के डॉ. दिनेश कुशवाह की रचना "अगर लालसा का कोई रंग होता है तो वही रंग है तुम्हारी चूनर का, तुमसे मिलकर मैंने पहली बार जाना कि प्रकृति ने मेंहदी की हरी पत्तियों में क्यों अनादि काल से सहेजकर रखा है लाल रंग" को दर्शकों ने सराहा। सुश्री प्रज्ञा रावत, की कविता "दुनिया के सारे खेलों में सबसे अच्छा खेल घर–घर ही तो है जिसमें हार–जीत और हां–ना से ज्यादा जीवन जीने का जश्न है" आम आदमी से जुड़ी इस कविता को दर्शकों ने सराहा। एनआईटीटीटीआर के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल, की कविता "आज मैंने फिर एक गुनाह किया है, शिकारी की जद में आती गौरैया को ताली बजाकर उड़ा दिया है" ने संवेदना के स्तर तक झकझोर दिया। श्री शिवकुमार 'अर्चन' की कविता "मेहनत के हाथों पर छाला कल भी था और आज भी है, मस्जिद के नज़दीक शिवाला कल भी था और आज भी है"। भोपाल के श्री राजेश जोशी, की कविता "मेरा नया फोन नम्बर" एवं श्री ओम भारती की कविता "खुशी अभी–अभी थी यहां" को दर्शकों ने पसंद किया। सुश्री जया नर्गिस की गज़ल "जगह तेरे दिल में न मिले इसका नहीं है खौफ़, डर है कि तेरी नज़र से न ऊतर जाऊ" ने समां बांध दिया। इस कार्यक्रम में शहर के जाने–माने लेखक साहित्यकार एवं एनआईटीटीटीआर परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

काव्य संध्या का आनन्द लेते श्रोतागण

नाईजीरिया के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक

दिनांक 19 मार्च 2013 को दिल्ली में नाईजीरिया के उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल के साथ प्रो. के.एम. रस्तोगी ने एक बैठक की। इस प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व लागोस की शिक्षा आयुक्त सुश्री ओलामिका ओलाकुंजाय ने किया। नाईजीरिया का यह प्रतिनिधि मंडल उनके तकनीकी शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं यहां पर व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने की संभावनाओं को तलाशने भारत आया था। प्रो. रस्तोगी ने एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा इस क्षेत्र में किये जा रहे कार्यो का विवरण प्रस्तुत किया। इस प्रतिनिधि मंडल ने एनआईटीटीटीआर, भोपाल के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की।

शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए शिक्षकों का कर्तव्यनिष्ठ होना जरूरी

प्रो. अमिताभ घोष

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते प्रो. अभिताभ घोष

शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए शिक्षकों का कर्तव्यनिष्ठ होना इंफ्रास्ट्रक्चर से ज्यादा जरूरी है। यदि हमारे शिक्षक अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करें तो शैक्षणिक संस्थानों में हर स्तर पर उत्कृष्टता दिखाई देगी। यह विचार संस्थान के अध्यक्ष संचालक मंडल प्रो. अमिताभ घोष ने विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में प्रबंध विभाग द्वारा ''एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन एण्ड एकेडेमिक ऑडिट'' विषय पर दिनांक 8 से 12 अप्रैल 2013 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर कहे। प्रो. घोष ने कहा कि एक्रीडिटेशन देने की शर्तो में ''टीचिंग–लर्निंग प्रोसेस को अधिक महत्व देना चाहिए। प्रो. घोष ने सभी प्राध्यापकों को स्वप्रेरित एवं स्वयं के विकास के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों के साथ 49 वर्षों के अध्यापन के अनुभव को साझा किया। प्रो. घोष ने प्रशिक्षणार्थियों को यह संदेश दिया की प्राध्यापक हमेशा 18–25 वर्ष की आयु के छात्रों के साथ रहता है अतः वह अपने आप को चुनौतियाँ स्वीकार करने हेतु ऊर्जावान महसूस करता है। प्रो. घोष ने कहा कि एनआईटीटीटीआर विस्तार केन्द्र गुजरात तकनीकी शिक्षा के लिए विभिन्न प्रकार के कार्य जैसे करीकुलम तैयार करना, प्रशिक्षण आयोजित करना, पाठ्य सामाग्री तैयार करना आदि कार्य कर रहा है। गुजरात शासन को चाहिए कि संस्थान के विस्तार केंद्र हेतु भूमि उपलब्ध कराये जिससे संस्थान तकनीकी शिक्षा की भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु एक समर्पित विस्तार केन्द्र तैयार कर सके।

संस्थान के निदेशक डॉ. विजय अग्रवाल ने एन.बी.ए. से जुड़े अपने अनुभवों को बताया एवं प्रशिक्षणार्थियों को एन.बी.ए. की तैयारी करने की विधि को विस्तार से समझाया। प्रो. अग्रवाल ने गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय हेतु तैयार किये गये पाठयक्रमों की समीक्षा की। प्रो. आर.जी. जोशी, संयुक्त संचालक तकनीकी शिक्षा जो कि एन.बी.ए. के लिए मास्टर ट्रेनर भी हैं ने भी प्रशिक्षणार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पोलीटेक्निक महाविद्यालयों के 28 वरिष्ठ प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन के महत्व, मापदण्ड, प्रक्रिया एवं दस्तावेज तैयार करने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को एकेडेमिक ऑडिट, आई.एस.ओ. प्रमाणीकरण एवं वाशिंगटन एकॉर्ड के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बी.एल. गुप्ता थे। प्रो. शशिकांत गुप्ता ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव श्री अशोक ठाकुर ने की आईसीटी कार्यक्रमों की समीक्षा

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव श्री अशोक ठाकुर ने ए–व्यू प्लेटफार्म पर चारों एनआईटीटीटीआर के निदेशकों से चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. ए.के. नासा भी उपस्थित थे। एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने सुझाव दिया कि एनपीटेल की तर्ज पर पॉलिटेक्निक के लिए वीडियो लेक्चर तैयार किये जाने चाहिए जिनका दायित्व एनआईटीटीटीआर को दिया जा सकता है। इस चर्चा का उद्देश्य आईसीटी मोड में चलाये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आने वाली कठिनाईयों एवं उनके निराकरण पर चर्चा करना था। इस बैठक में शासन के एन.एन.ई.आई.सी.टी. के प्रोजेक्ट के बारे में भी चर्चा की गई। इस बैठक में सुझाव दिये गये कि समस्त पॉलिटेक्निकों में इंटरनेट ब्रॉड बेण्ड स्पीड बढ़ाने के लिए आने वाली लागत का 75 प्रतिशत शासन व्यय करे एवं 25 प्रतिशत संस्थान स्वयं व्यय करे। इस चर्चा में एनआईटीटीटीआर परिषद बनाने का सुझाव भी दिया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. एम.पी. पूनिया, कोलकाता के प्रो. एस.के. भट्टाचार्य, एवं चैन्नई के निदेशक प्रो. एस. मोहन भी उपस्थित थे। इस अवसर पर अमृता विश्वविद्यालय के ए–व्यू प्रोजेक्ट के निदेशक श्री कमल विज़लानी एवं एनआईटीटीटीआर भोपाल के प्रो. संजय अग्रवाल भी उपस्थित थे।

वोकेशनल एज्यूकेशन, स्किल डेवलपमेंट और एंटरप्रेन्योशिप पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित

उद्घाटन करते प्रो. मल, प्रो. चौबे, प्रो. विजय अग्रवाल तथा प्रो. चौधरी

दिनांक 20 एवं 21 मार्च 2013 को एनआईटीटीटीआर, आईसेक्ट और आईएसटीडी द्वारा संयुक्त रूप से वोकेशनल एज्यूकेशन, स्किल डेवलपमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। कांफ्रेंस के प्रथम दिन आईसेक्ट के महानिदेशक श्री संतोष चौबे ने कहा कि भारत में स्किल डेवलेपमेन्ट के लिए एक संरचनात्मक ढांचा तैयार करने की आवश्यकता है। इस दिशा में बड़ी संख्या में लोग कार्य तो कर रहे हैं, लेकिन सर्टिफिकेट पर ध्यान नही दिया जा रहा है। आईसेक्ट इस दिशा में कार्य कर रहा है। एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने कहा कि युवाओं में कौशल का विकास कर इस युवाशक्ति का सदुपयोग बेहतर ढंग से करना चाहिए। आईसेक्ट की निदेशक पल्लवी राय चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री कार्यालय के नेशनल स्किल मिशन के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री जे.पी. राय का संदेश पढ़ा। न्यूजीलेण्ड पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी की टेरी नील ने दूरस्थ शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि दूरस्थ शिक्षा के अलग–अलग मॉडलों पर काम किया जा सकता है। यूरोपियन यूनियन इंडिया स्किल डेवलेपमेन्ट प्रोग्राम के जीन मार्क कैस्टोजेन ने भारत यूरोपियन संघ के सहयोग से भारत में संचालित कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. वी.सी.मल एवं आईसेक्ट युनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. वी.के. वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दूसरे दिन एनआईटीटीटीआर के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने कहा कि उद्योगों के सहयोग के बिना कौशल उन्नयन एवं रोजगार के बेहतर अवसर सुलभ कराने का कार्यक्रम पूरा नही हो सकता। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर देखते रहने से समस्याओं का समाधान संभव नहीं। हमें हर स्तर पर परस्पर सहयोग से इसे सफल बनाना होगा । प्रो. अग्रवाल ने कहा कि उच्चशिक्षा तथा टेक्नीशियन शिक्षा में वेतन विसंगति के कारण उसे वह मान्यता नहीं मिल पा रही जो मिलनी चाहिए इसके लिए "माइन्ड सेट" बदलना होगा ।

डॉ. विजय अग्रवाल ने कहा कि हमारे देश में अनएम्प्लायबल लोगों को कैसे एम्प्लायबल बनाए इस पर सभी को मिलकर विचार करना चाहिए। उद्योगों को भी स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वाह करना चाहिए।

आईसेक्ट के महानिदेशक प्रो. संतोष चौबे ने कहा कि हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में भी कोर्स मटेरियल बनवाना चाहिए जिससे सभी तक शिक्षा का प्रचार प्रसार बेहतर ढ़ंग से हो सके। प्रदेश के विकास में सभी संस्थाओं को मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने ई–कंटेट, आईटी साक्षरता पर भी जोर दिया। बाहर

अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल

व्याख्यान देते हुए अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ सुश्री टेरी नील तथा कैस्टोजेन

से आए विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न तकनीकी सत्रों में अपने पेपर प्रस्तुत किये। इस कांफ्रेंस में ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्र में उद्यमिता पर विशेष रूप से चर्चा हुई।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता एनआईटीटीटीआर के प्रो. आर.जी. चौकसे ने की। इस सत्र में मुंबई से आए श्री हेमंत छाबड़ा ने एग्रो एंटरप्रेन्योरशिप पर अपना प्रेजेन्टेशन दिया। आईसेक्ट के श्री अनुराग गुप्ता ने कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से ग्रामीण एंटरप्रेन्योरशिप पर रोशनी डाली। पीएसजी पॉलिटेक्निक कॉलेज कोयम्बटूर से आए वी. चंद्रशेखरन ने पॉलिटेक्निक कॉलेज द्वारा समुदाय आधारित स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम पर विस्तार से चर्चा की। पॉलिटेक्निक कॉलेज नासिक के एस.पी. दीक्षित ने भारत में कम्यूनिटी कॉलेज की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 2025 तक पूरी दुनिया की वर्क फोर्स का 25 प्रतिशत हिस्सा भारत में रहेगा। इसमें से भी एक बड़ा हिस्सा युवाओं का ही रहेगा।

आईसेक्ट के प्रो. जनार्दन प्रसाद ने आँकड़े प्रस्तुत कर बताया कि भारत में कृषि के क्षेत्र में एंटरप्रेन्योरशिप में अपार संभावनाएं हैं। इसी सत्र में वाय.पी. चावला ने स्किलिंग इंडिया, एपिरियल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर के धर्मेंद्र सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। स्कोप कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की डॉ. मोनिका सिंह ने वुमैन एंटरप्रेन्योरशिप पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के श्री उत्तम गांगुली ने की। इस सत्र में आईसेक्ट की निदेशक पल्लवी राव चतुर्वेदी ने असंगठित क्षेत्र में संभावनाओं पर आईसेक्ट के अनुभवों पर चर्चा की। एमपी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के श्री शलभ शर्मा, एमपी फेडरेशन ऑफ चेम्बर एण्ड कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के श्री सुनील निगम, आईएल एंड एफएस के श्री संजीव जोजफ एवं आईसेक्ट के अभिषेक पंडित ने भी अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। दोपहर बाद के सत्र में पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से प्रो. आर.जी. द्विवेदी, इंडो यूरोपियन चेम्बर ऑफ स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राईजेस मीडिया के सेक्रेटरी जनरल मिस्टर जॉन मार्टिन थामस, आरएमजे मोटर भोपाल के जीएम श्री प्रणय प्रसादी, डॉ. निशीथ दुबे, रश्मि जैन, एम.के. मकवाना ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस सत्र का संचालन डॉ. मोनिका सिंह, डॉ. स्वाति तिवारी एवं प्रो. जास्मीन खरे ने किया। आभार प्रदर्शन प्रो आर.जी. चौकसे ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते प्रो. संतोष चौबे

प्रो. अग्रवाल को स्मृति चिह्न भेंट करते प्रो. राघव

कैंसर का इलाज रसायन संकुल से संभव

प्रो. लल्लन मिश्रा

कैंसर पर अपना व्याख्यान देते हुए प्रो. लल्लन मिश्रा

संकुल रसायन की मदद से कैंसर जैसी असाध्य बीमारी पर नियंत्रण पाना आसान हो गया है। अब लक्ष्य आधारित कैंसर का उपचार संभव है तथा रूथेनियम, प्लेटिनम तथा कॉपर के ऑर्गेनिक यौगिकों द्वारा उपचार हेतु भारतीय वैज्ञानिकों ने सफलता प्राप्त कर ली है। उक्त विचार प्रो. लल्लन मिश्रा ने दिनांक 18 मार्च 2013 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा डी.एस.टी. के सहयोग से आयोजित प्रो. एस.एस. भटनागर स्मृति व्याख्यान माला में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि वर्तमान शोध के क्षेत्र दो रसायन केन्द्र पर स्थित हैं जिसमें भौतिक शास्त्र तथा बायोलॉजी शास्त्र दो सहयोगी शाखाएँ हैं। मानव शरीर में होने वाले परिवर्तनों को बायोलॉजी के द्वारा समझा जा सकता है लेकिन बीमारियों का उपचार रसायन शास्त्रीयों के सहयोग से ही संभव हो सकता है।

उन्होंने कहा है कि इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब कभी मनुष्यों या वनस्पतियों को बीमारियों से बचाने का समय आया तब पूरे विश्व के रसायन शास्त्रीयों पर ही दृष्टि पड़ी। अतः विद्यार्थियों को अपने अंदर न तो हीन भावनाओं को विकसित करने देना चाहिए और न ही खुद को कमजोर समझना चाहिए। प्रो. मिश्रा ने स्वयं के द्वारा बनाये गये औषधीय संकुलों पर प्रकाश डाला और उसकी क्रिया विधि भी समझायी। प्रारंभ में संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने स्वागत भाषण देते हुये बताया कि प्रो. मिश्रा, प्रो.आर.पी रस्तोगी के एक ऐसे शिष्य हैं जिन्होंने पूरे विश्व में अपने कार्यों द्वारा विशेष स्थान हासिल किया है संस्थान में उनका व्याख्यान भोपालवासियों के लिये एक उपलब्धि मानी जायेगी। प्रो. मिश्रा ने विद्यार्थियों, शोधार्थी एवं छात्रों के प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं के भी उत्तर दिये। संस्थान परिवार के संकाय सदस्य, अधिकारी/कर्मचारी सहित शहर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोध छात्र/छात्राएँ उपस्थित थे। प्रो. अंजू रौले ने प्रो. मिश्रा का परिचय प्रस्तुत किया। आभार प्रदर्शन प्रो. डी.एस. करौलिया एवं संचालन डॉ. दीपक सिंह ने किया।

प्रो. लल्लन मिश्रा को सम्मानित करते प्रो. विजय अग्रवाल

भारत पाक एकता धर्म निरपेक्षता की बुनियाद पर संभव- हरदेनिया

"मेरी पाकिस्तान यात्रा" विषय पर व्याख्यान

पाकिस्तान का अधिकांश पढ़ा लिखा बुद्धिजीवी वर्ग भारत के साथ मैत्री का इच्छुक है। पाकिस्तान की आवाम आज आतंकवाद से तंग आ चुकी है और शांति चाहती है। उक्त विचार वरिष्ठ पत्रकार एवं साम्प्रदायिक एकता के पक्षधर श्री लज्जाशंकर हरदेनिया ने एनआईटीटीटीआर भोपाल में "मेरी पाकिस्तान यात्रा" विषय पर अपने व्याख्यान में व्यक्त किये। श्री हरदेनिया ने अपनी यात्रा के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वहाँ के विद्यार्थी अनुशासित हैं, समय के पाबंद है। वहाँ के शैक्षणिक व्याख्यान में युवाओं की उपस्थिति आश्चर्यजनक होती है। आज वहाँ के युवा, क्या पाकिस्तान एक देश है ? क्या पाकिस्तान धर्मनिरपेक्ष हो सकता है ? पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कैसी होगी ? ऐसे विषयों पर चर्चा करते हैं। बौद्धिक स्तर पर वहाँ की दुर्दशा पर बड़ा चिंतन चल रहा है। दहशत गर्दी मुर्दाबाद जैसे नारे बहुत तेजी से लगते है। वहाँ के प्रोफेसर गरीबों के लिए आंदोलन करते हैं। महिलाएं भी नौकरी में आने लगी हैं। मंहगाई, बेरोजगारी, हिंसा, भ्रष्टाचार से आवाम परेशान है, आर्थिक स्थिति बद्तर हो चुकी है, वहाँ की आवाम मानती है कि रक्षा बजट पर जितना खर्च किया जा रहा है उतने में गरीबी मिट सकती है, वहाँ पर मंदिरों के सुरक्षा के इंतजाम हैं। हालांकि यह धारणा बलवती है कि नेता सत्ता के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकते है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंध सुधर सकें इसके लिए पाक में भारत विरोधी व भारत में पाक विरोधियों को अलग–थलग करना चाहिए। यूरोपीय संघ की तरह भारत, पाकिस्तान और बंग्लादेश को एक महासंघ बनाने के बारे में सोचना चाहिए। वहाँ की आवाम वीज़ा नियमों में शिथिलता चाहती है जिससे विभाजन के समय छूटे परिवार मिल सकें। भारत पाक के एक होने की बुनियाद सिर्फ धर्मनिरपेक्षता ही हो सकती है। पाक में इस बार के चुनाव में आवाम मताधिकार का उपयोग ज्यादा से ज्यादा करना चाहती है। पाकिस्तान की और बर्बादी की जिम्मेदारी लेने के लिए अब वहाँ की सेना तैयार नहीं है। लड़कियों में पढ़ाई की चाहत तो बहुत है पर सुविधाएं भारत से बहुत कम हैं। श्री

व्याख्यान देते श्री लज्जाशंकर हरदेनियां

हरदेनिया ने पाकिस्तान के गीतकारों के गीत "मेरे आँसू मेरी चीखें", "एक और जहाँ मुमकिन है" की रिकॉर्डिंग सुनवाई। उन्होंने कई रोचक उदाहरणों द्वारा वहाँ के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं शैक्षणिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। श्री हरदेनिया ने इस अवसर पर वहाँ की नृत्यांगना सीमा किरमानी व मलाला के सामाजिक कल्याण के योगदान को सराहा। अपने स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने कहा कि श्री लज्जाशंकर हरदेनिया अपनी बात को बेवाक तरीके से रखते हैं हरदेनिया जी का विस्तृत परिचय उनके अनुभवों का संसार व मध्यप्रदेश का राजनैतिक इतिहास है। इनका जीवन खुली किताब है उसे कोई भी आसानी से पढ़ सकता है, हिन्दुस्तान का आधा दिल पाकिस्तान में है। हिन्दी उर्दू दो बहनों की तरह हैं आज वास्तविकता है कि पाकिस्तान एक अलग देश है पर दोनों देशों की धड़कन एक जैसी है। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. शरद प्रधान ने किया व इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. पी.के. पुरोहित थे। इस कार्यक्रम में शहर के जाने–माने लेखक, साहित्यकार एवं एनआईटीटीटीआर परिवार के विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य, अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

महाराष्ट्र राज्य में अपनी गतिविधियों को विस्तार देगा एनआईटीटीटीआर

संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उप शिक्षा सलाहकार डॉ. ए.के. नासा ने दिनांक 9 एवं 10 मार्च 2013 को औरंगाबाद एवं नांदेड के तकनीकी शिक्षण संस्थाओं का दौरा किया। दिनांक 9 मार्च 2013 को शासकीय पॉलिटेक्निक औरंगाबाद में आयोजित कार्यक्रम को डॉ. ए.के. नासा एवं प्रो. विजय अग्रवाल ने संबोधित किया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य में कम्यूनिटी पॉलीटेक्निक परियोजना के तहत किये जा रहे कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में आईसीटी विधा में आयोजित किये जा रहे कार्यों एवं सुविधाओं की समीक्षा की गई।

दिनांक 10 मार्च को प्रो. विजय अग्रवाल ने महात्मा गाँधी इंजीनियरिंग महाविद्यालय नांदेड़ में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में डॉ. ए.के. नासा भी उपस्थित थे। संस्थान की प्राचार्य प्रो. गीता लाटकर ने अतिथियों का स्वागत किया। इस बैठक का उद्देश्य औरंगाबाद में एनआईटीटीटीआर, भोपाल के विस्तार केन्द्र की स्थापना एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन पर चर्चा की गई।

निदेशक (टी) डॉ. ए.के. नासा का स्वागत करते हुए प्रो. लाटकर

सफलता के लिये साधना आवश्यक

ललित सुरजन

आविष्कारों के पीछे जो उद्देश्य रहे हैं वे मनुष्य के जीवन को सुगम और बेहतर बनाने के प्रयत्न ही कहें जायेंगे। चाहे वह आग का आविष्कार हो या पहिये का। आदिमयुग से आजतक ये सारे प्रयास बहुउद्देशीय और कठिनाईयों के ऊपर मनुष्य को बेहतर जीवन यापन के लिये संसाधन उपलब्ध कराते रहे हैं, लेकिन बाजारवाद ने विज्ञान की समस्त उपलब्धियों को मानव केन्द्रित न बनाकर एक पूंजीवादी व्यवस्था के हाथों में सौप दिया है। जिसके कारण विज्ञान की मूल भावना कहीं खो गई है। यह विचार एन.आई.टी. रायपुर के संचालक मंडल में पूर्व अध्यक्ष, वरिष्ठ चिंतक एवं पत्रकार श्री ललित सुरजन ने एनआईटीटीटीआर में व्यक्त किये। वे ''मानवता की सेवा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग'' विषय पर शिक्षकों, अधिकारियों, छात्रों तथा कर्मचारियों के बीच बोल रहे थे। श्री सुरजन ने कहा कि पिछले वर्षो में एनआईटीटीटीआर की गतिशीलता अद्भुत रही है। तकनीकी संस्थान होने के बावजूद समाज के साथ इसका जुड़ाव एक मिसाल है। उन्होंने

श्री सुरजन का स्वागत करते प्रो. विजय अग्रवाल

श्रोताओं से कहा कि खूब पढ़ने से ही लिखने में आसानी होती है इसलिए हम सभी को पठन शील और मनन शील होना चाहिए। विज्ञान का उपयोग सिर्फ समाज के लिये होना चाहिए। विज्ञान का उपयोग मनुष्य की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने, मानवता की सेवा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा आदि में होना चाहिए न कि कुछ हाथों में केन्द्रित होकर उसे बाजार की भेंट चढ़ जाना चाहिए। उन्होंने छात्रों का आह्वान करते हुये विलियम फ्रास्ट की एक पंक्ति का उदाहरण दिया और कहा कि वे रास्ते जिन पर बहुत कम लोग गये है उन पर चलिये तो आपका जीवन

व्याख्यान देते श्री ललित सुरजन

बदल जायेगा। विज्ञान एक वैज्ञानिक सोच को जन्म देता है और वह स्तंभ पूरे समाज को निरपेक्ष रूप से लाभान्वित करता है। जब समाज, धर्म, जाति और संप्रदाय आधारित होता है तो हमारी सोच भी वैज्ञानिक सोच नहीं कहलायेगी। श्री सुरजन ने कई रोचक उदाहरण देते हुये कहा कि आज जरूरत और लालच के बीच के अंतर को समझना जरूरी है। पूंजीवादी व्यवस्था ने विज्ञान का अपनी तरह से दोहन किया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां मानव जीवन की दिनचर्या पर हावी हो चुकी है। यहां तक कि मीडिया में 75 फीसदी की हिस्सेदारी औद्योगिक घरानों की हो गई है। कभी–कभी ऐसा लगता है कि कलम एवं वाणी पर भी किसी और का नियंत्रण हो गया है। कोई भी व्यक्ति अपने आप में अलग नहीं है वह समग्र का हिस्सा है। उन्होंने जिज्ञासा, प्रश्न, प्रयोग के बारे में बोलते हुये कहा कि हमारा मस्तिष्क पूर्वाग्रह से मुक्त हो, खुले दिमाग से सोचें तभी अच्छा काम कर पायेंगें। आध्यात्मिक चिंता हमारे भय से उपजी है। अपने धर्म को मानें पर उसका सार्वजनिक प्रदर्शन न करें। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि श्री ललित सुरजन के लेखन को मूल्यों के लिये जाना जाता है। वे एक स्वप्न दृष्टा हैं जो बेहतर समाज की स्थापना के लिये हमेशा प्रयासरत रहते हैं। छत्तीसगढ़ हमारा कार्यक्षेत्र है एवं तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिये श्री सुरजन का सहयोग हमेशा हमें मिलता रहा है। प्रो. के.के. जैन ने श्री सुरजन का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. संजय अग्रवाल व आभार प्रदर्शन प्रो. डी.एस. करौलिया ने किया।

प्लानिंग ऑरगेनाईजिंग, इम्पलिमेंटिंग एंड इवेल्यूशन प्रोजेक्टस

टीसीएस प्रोजेक्ट के तहत् दिनांक 04 से 15 मार्च 2013 तक सिविल एवं पर्यावरण विभाग द्वारा संस्थान में ''प्लानिंग, ऑरगेनाईजिंग, इम्पलिमेंटिंग एंड इवेल्यूशन प्रोजेक्टस'' विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में फिजी, म्यांमार एवं श्रीलंका से आये प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर.के. दीक्षित थे।

कम्यूनिटी कालेज के संचालन में एनआईटीटीटीआर की भूमिका पर चर्चा

मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली में 25 मार्च 2013 को चारो एनआईटीटीटीआर के निदेशको की बैठक आयोजित की गई। जिसमें पूरे देश में कम्यूनिटी कालेज प्रोजेक्ट के संचालन में एनआईटीटीटीआर की भूमिका पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री अनंत कुमार सिंह ने की। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि विभिन्न सेक्टर्स के लिए तैयार किये गये पाठ्यक्रमों की सीडी एनआईटीटीटीआर द्वारा उपलब्ध कराई जायेगी जिसका उपयोग कम्यूनिटी कालेज की क्षमता विकास के लिए किया जायेगा। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि एनआईटीटीटीआर भोपाल बिल्डिंग मटेरियल, आई.टी. एवं एजूकेशन टेक्नोलॉजी, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स, ज्वैलरी मेकिंग एण्ड मल्टी मीडिया, एनआईटीटीटीआर चैन्नई ऑटो मोबाईल, टेक्सटाईल एण्ड हेल्थ केयर, एनआईटीटीटीआर कोलकाता बेल्डिंग, रिटेल मेनेजमेन्ट एण्ड केड/केम के क्षेत्र में रिसोर्स सेन्टर के रूप में कार्य करेंगे। इस बैठक में प्रो. विजय अग्रवाल, प्रो. एम.पी. पूनिया, प्रो. एस. मोहन, प्रो. एस.के. भट्टाचार्य, श्री अजय गोयल, उपमन्यू वासू एवं श्री बी.के. भद्री उपस्थित थे।

कड़ी सर्व विश्वविद्यालय में पाठ्यचर्या विकास पर कार्यशाला

संस्थान के प्रबंध विभाग ने कड़ी सर्व विश्वविद्यालय गांधीनगर गुजरात से सम्बद्ध प्रबंध संस्थाओं के लिए आउटकम बेस्ड करीकुलम तैयार करने का कार्य शुरू किया है। कड़ी सर्व विश्वविद्यालय में दिनांक 15–16 मार्च 2013 को प्रथम कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन कड़ी सर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डी.टी. कपाड़िया ने किया। इस कार्यशाला में विभिन्न प्रबंध संस्थानों के 22, प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर प्रो. कपाड़िया ने कहा कि प्रबंध पाठ्यक्रम का करीकुलम तैयार करने का कार्य देश की सर्वश्रेष्ठ संस्था को दिया है जिसका इस कार्य को करने का पाँच दशकों का अनुभव है। उन्होंने कहा कि एनआईटीटीटीआर, भोपाल से उन्होंने भी प्रशिक्षण एवं परियोजनाओं के माध्यम से काफी सीखा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री सूर्य कृष्ण मंत्राला ने केस विधि का उपयोग करने पर जोर दिया एवं डीन श्री पण्ड्या ने पाठ्यक्रम के प्रावधानों के बारे में बताया। पाठ्यक्रम विकास का कार्य सात चरणों में पूरा किया जायेगा। इसके लिये सात कार्यशाला सम्पन्न की जायेंगी। इस कार्यशाला के दौरान प्रो. बी.एल. गुप्ता एवं प्रो. आशीष देशपांडे ने कड़ी सर्व सोसायटी के अध्यक्ष श्री वल्लभ भाई एम. पटेल को एनआईटीटीटीआर, भोपाल के वर्ष 2013–14 के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का केलेण्डर भेंट किया एवं करीकुलम तैयार करने की पद्धति पर जानकारी प्रदान की। इस कार्यशाला का संचालन प्रो. बी.एल. गुप्ता, प्रो. आशीष देशपांडे एवं प्रो. शशिकांत गुप्ता ने किया।

पठन–पाठन संसाधन निर्माण पर प्रशिक्षण

राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के माध्यम से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के विभिन्न शिक्षकों के लिए एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा कैपेसिटी बिल्डिंग हेतु छः प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन प्रो अनिल कुमार के समन्वयन में किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम "पठन–पाठन संसाधन निर्माण" विषय पर दिनांक 22 से 26 अप्रैल 2013 तक संस्थान में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने किया। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिला से 30 प्रशिक्षणार्थियों ने संगणक का उपयोग करते हुए विषय वस्तु का विश्लेषण, स्व–पठन साहित्य निर्माण तथा पावर पाइंट प्रेजेन्टेशन की निर्माण प्रक्रिया पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एस.एस. केदार थे तथा प्रो. चंचल मेहरा ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया। इन कार्यक्रमों की श्रृंखला में पाठ्यचर्या विकास तथा अनुसंधान प्रक्रिया पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

कार्यक्रम में प्रो. विजय अग्रवाल

क्यू. ई.प्रो. एवं इ.एस.आर. सॉफ्टवेयर के प्रयोग पर कार्यक्रम

दिनांक 25 फरवरी से 1 मार्च 2013 तक सिविल इन्जीनियरिंग विभाग द्वारा विषय "क्यू. ई.प्रो. एवं इ.एस.आर. सॉफ्टवेयर" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में क्यू.ई. प्रो. साफ्टवेयर से एस्टीमेट बनाने एवं इ.एस.आर. साफ्टवेयर से वाटर टैंक डिजाइन की प्रक्रिया बताई गई। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एम.सी. पालीवाल थे।

गतिविधियां

चित्रमय झां

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

नेनोटेक्नोलॉजी एवं उसके अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण

विस्तार केन्द्र पुणे में दिनांक 11 से 15 मार्च 2013 तक "नेनो टेक्नोलॉजी एवं उसके अनुप्रयोग" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य के पालिटेक्निक/ इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 21 शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को नेनो मटेरियल, नेनोटेक्नोलॉजी की अवधारणा, इस टेक्नोलॉजी का विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में अनुप्रयोग के बारे में विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षणार्थियों को नेशनल केमीकल लेबोरेटरी में भ्रमण भी कराया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पी.के. पुरोहित व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अभिलाष ठाकुर एवं डॉ. इज़हार अहमद ने अपना योगदान दिया। विषय विशेषज्ञ के रूप में आईसर पुणे की वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. सुलभा कुलकर्णी ने अपना लोकप्रिय व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रो. सुलभा कुलकर्णी

ग्लोबल पोजीशिनिंग सिस्टम पर प्रशिक्षण

प्रायोगिक कार्य करते प्रशिक्षणार्थी

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 4 से 8 मार्च 2013 तक "जीपीएस एवं उसके अनुप्रयोग" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को जीपीएस का सिद्धांत, विभिन्न क्षेत्रों में जीपीएस के अनुप्रयोग व आवश्यकता, जीपीएस मेथ्स माडयूल, पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को स्पेस साइंस लेब बरकतउल्लाह विश्व विद्यालय, मेपकास्ट एवं संस्थान की सिविल लेब में जीपीएस पर प्रायोगिक कार्य कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय सेना के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पी.के. पुरोहित एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. दीपक सिंह व प्रो. एम.सी. पॉलीवाल ने योगदान दिया।

शोध पत्र लेखन पर प्रशिक्षण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 15 से 26 अप्रैल 2013 तक "शोध पत्र लेखन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शोध पत्र की संरचना, शोध विधियां, प्लेगरीजम, इम्पेक्ट फेक्टर, कापी राईट, प्रकाशन प्रक्रिया विधि, शोध समस्या का चयन, अनुसंधान में विभिन्न साफ्टवेयर व इंटरनेट की उपयोगिता, शोध परियोजना का निर्माण, बौद्धिक संपदा अधिकार आदि पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों नें एक ड्राफ्ट पेपर भी तैयार किया। दो सप्ताह के इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पी. के. पुरोहित थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. दीपक सिंह, डॉ. अभिलाष ठाकुर, डॉ. बशीरउल्ला शेख व डॉ. इज़हार अहमद ने सहयोग प्रदान किया।

एप्लीकेशन ऑफ नेनोटेक्नॉलाजी इन फॉर्मेसी

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 4 से 8 मार्च 2013 तक गोवा कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी में "एप्लीकेशन ऑफ नेनोटेक्नॉलाजी इन फॉर्मेसी" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को नेनोटेक्नॉलाजी जैसी नवीनतम् तकनीक के फॉर्मेसी में होने वाले विभिन्न उपयोगो की जानकारी दी गई साथ ही इस नवीन शोध क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं से भी अवगत करवाया गया। प्रशिक्षण के दौरान नेनोटेक्नालॉजी क्षेत्र में शोध एवं अनुप्रयोग संबंधित विभिन्न सॉफ्टवेयर का प्रदर्शन कर उनकी उपयोगिता संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में गोवा कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी के 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. अभिलाष ठाकुर ने किया एवं प्रो. बशीरउल्ला शेख़ ने संकाय के रूप में योगदान दिया।

नेनोटेक्नोलॉजी एण्ड नेनोमटीरियल फॉर फॉर्मेसी

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 11 से 15 मार्च 2013 तक नेनोटेक्नोलॉजी एवं नेनोमेटीरियल फॉर फॉर्मेसी विषय पर संस्थान के विस्तार केन्द्र पुणे पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को फॉर्मेसी में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न नेनो मेटीरियल की जानकारी के साथ ही अन्य नेनो मेटेरियल के फॉर्मेसी में प्रयोग पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान नेनो टेक्नॉलॉजी के विभिन्न प्रयोगों के साथ ही उसके फॉर्मेसी में उपयोग व उससे होने वाली संभावित प्रगति की जानकारी भी दी गई। नेनो मटेरियल के विभिन्न गुणों के आकलन एवं नवीन मेटेरियल के डिज़ाइन में प्रयुक्त होने वाले कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण के साथ ही एन.सी.एल. की आधुनिक प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर प्रायोगिक अनुभव भी प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. अभिलाष ठाकुर ने किया एवं डॉ. पी.के. पुरोहित व डॉ. इज़हार अहमद ने संकाय के रूप में योगदान दिया।

क्यू.सी.आई. पर प्रशिक्षण

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया को तकनीकी संस्थाओं में गुणवत्ता के लिए एनआईटीटीटीआर के साथ मिलकर प्रशिक्षण देने के लिए कार्यक्रम तैयार किया है। क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया एनआईटीटीटीआर के 50 शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करेगी तथा ये शिक्षक पॉलिटेक्निक के 400 शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। इस प्रक्रिया में पूरे देश में जून 2013 तक लगभग 400 पॉलिटेक्निक के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जायेगा। दिनांक 11 से 15 मार्च 2013 तक एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ में प्रो. अंजू रौले, प्रो. एम.ए. रिजवी, डॉ. जेम्स मथाई, प्रो. एम.सी. पालीवाल डॉ. दीपक सिंह एवं डॉ. अंजलि पोटनीश ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। दिनांक 18 से 23 मार्च 2013 तक एनआईटीटीटीआर चैन्नई में प्रो. सूसन मेथ्यू, प्रो. के. के. पाठक, प्रो. शैलेन्द्र सिंह, प्रो. अजित दीक्षित, डॉ. अभिलाष ठाकुर एवं डॉ. बशीरउल्ला शेख ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में अन्य तीनों एनआईटीटीटीआर से भी सहभागिता रही। चंडीगढ़ में मेजर धीर, चेन्नई में डॉ. एस.एन. नंदी व श्री एस.के. वर्मा ने विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा फोर्जिंग विषय पर फिल्म का निर्माण

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा फोर्जिंग विषय पर फिल्मों की श्रृंखला तैयार की जा रही है। भारत के उत्कृष्ट फोर्जिंग उद्योगों की संस्था (ए.आई.एफ.आई.) एसोसियेशन ऑफ इंडियन फाउंड्री इंडस्ट्रीज के साथ यह श्रृंखला का समन्वयन एवं निर्देशन डॉ. सी.के. चुघ कर रहे हैं। पहली फिल्म ए.आई.एफ.आई को सुझाव के लिये भेज दी गई है। पंडित सुन्दरलाल शर्मा व्यावसायिक शिक्षा संस्थान के लिये विभाग दो फिल्में बना रहा है। ये फिल्में संस्थान एवं व्यावसायिक शिक्षा में अवसर विषयों पर हैं। इन फिल्मों को श्री राजीव गोहिल एवं प्रो. एस.एस. केदार निर्देशित करेंगे। इसी विभाग द्वारा ''अग्नि'' एवं ''शक्कर उत्पादन'' विषयों पर भी फिल्में बनाई जा रही है। इनकी संकल्पना डॉ. प्रभाकर सिंह ने की है। विभाग में प्राचीन लौह उत्पादन पर आधारित ''लोहे के लोग'' एवं मानव संग्रहालय पर आधारित ''मनु की नौका'' विषयों पर फिल्मों का निर्माण भी जारी है। भारत सरकार के लिये अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग विषय पर फिल्म का संपादन प्रारंभ किया गया है। विभाग द्वारा ''हयुमन लर्निंग'' एवं ''स्वंय के भविष्य निर्माण'' हेतु फिल्में भी तैयार की गई हैं। इनके विशेषज्ञ प्रो. वाय.के. आनंद, एनआईटीटीटीआर, चंढीगढ़ एवं प्रो. पी.डी. कुलकर्णी वरिष्ठ तकनीकी शिक्षाविद् हैं। इसका निर्देशन प्रो. केदार एवं प्रो. अस्मिता खजांची कर रहे हैं। विभाग में सुश्री जया नर्गिस, संगीतज्ञ के तौर पर अपनी सेवाएं दे रही हैं। वे निर्माणाधीन फिल्मों के लिए संगीत तैयार कर रही हैं। संस्थान के विगत वर्षो की उपलब्धियों पर आधारित फिल्म ''सर्वांग विकास की नई दिशाएं'' का निर्माण विभाग द्वारा किया गया है। यह फिल्म स्थापना दिवस पर दिखाई गई। विभाग द्वारा इलेक्ट्रानिक मीडिया में एम.एस.सी पाठयक्रम शुरू करने हेतु बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय को प्रस्ताव भेजा गया है। इससे देश की इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इंडस्ट्रीज को प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

शैक्षिक अनुसंधान व सांख्यिकीय विधियों पर प्रशिक्षण

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 25 फरवरी से 01 मार्च 2013 तक ''शैक्षिक अनुसंधान व सांख्यिकी विधियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम'' विस्तार केंद्र पुणे में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान के महत्व से अवगत् कराया गया। शिक्षण में अनुसंधान की पद्धतियां उसके विभिन्न चरण, अनुसंधान हेतु समस्या का चयन एवं परिकल्पना, विभिन्न प्रकार की अनुसंधान पद्धतियां, रिसर्च हेतु प्रदत्त एकत्रित करने हेतु विभिन्न माध्यम, डाटा का वर्णनात्मक विश्लेषण एवं सांख्यिकी की विधियां जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गयी। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. (श्रीमती) किरण सक्सेना थी।

''अनुसंधान विधियां'' विषय पर कार्यक्रम

दिनांक 25 फरवरी से 01 मार्च 2013 तक शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा संस्थान के विस्तार केंद्र अहमदाबाद में ''अनुसंधान विधियां'' विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्‌देश्य शोध अवधारणा, शोध की विशेषताएँ, शोध के लिये गुणात्मक एवं मात्रात्मक दृष्टिकोण, प्रदत्त संग्रहण, प्रदत्त की प्रकृति एवं स्तर का ज्ञान, प्रदत्त संग्रहण में विभिन्न शोध उपकरणों का उपयोग, अनुसंधान की प्रक्रिया एवं तकनीकी शिक्षा में शोध के विषयों को खोजना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण देना था। कार्यक्रम में कुल 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अजित दीक्षित थे। डॉ. एस.के.गुप्ता ने संकाय सदस्य के रूप में अपना योगदान दिया।

नगरीय निकाय के अभियंताओं का प्रशिक्षण

सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग एवं नगरीय प्रशासन विभाग म.प्र. ने संयुक्त रूप से नगरीय निकायों के अभियंताओं के लिए दिनांक 24 से 26 अप्रैल 2013 तक ''प्रोजेक्ट मेनेजमेन्ट'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न निकायों के 20 अभियंताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रोजेक्ट डिजाईन, प्लानिंग, प्रोजेक्ट इंफारमेशन सिस्टम आदि पर विस्तृत जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. बी.एल. गुप्ता, प्रो. आर.के. दीक्षित, प्रो. एस. राय एवं प्रो. एच.एम. मिश्रा, ओ.एस.डी. ट्रेनिंग ने अपना योगदान दिया।

शैक्षणिक कैलेण्डर का विमोचन 2013-14

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा दिनांक 12 मार्च 2013 को शैक्षणिक सत्र 2013–14 का कैलेण्डर जारी किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने कार्यक्रम पुस्तिका जारी करते हुए कहा कि इस वर्ष पूरे देश में लगभग 1 लाख तकनीकी शिक्षकों के प्रशिक्षण का लक्ष्य रखा गया है। एनआईटीटीटीआर भोपाल द्वारा पांच प्रदेशों के 18,000 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जायेगा जिसमें व्यक्तिगत संपर्क के द्वारा 4,000 तथा शेष को आई.सी.टी. (कम्प्यूटर दूरस्थ शिक्षा) द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। वर्ष में लगभग 300 कार्यक्रमों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें पॉलिटेक्निक तथा अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के शिक्षकों को आमंत्रित किया जायेगा। इस वर्ष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में वीडियो लेक्चर भी शामिल किये जा रहे हैं ताकि जिन विषयों की किताबें उपलब्ध नहीं है उनके शिक्षण में शिक्षकों को लाभ मिल सके। इस अवसर पर प्रो. डी.एस. करौलिया, प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन, प्रो. शैलेन्द्र सिंह, प्रो. पराग दुबे, प्रो. शिखा लहरी दास, विशेष रूप से उपस्थित थे।

प्रो. पी. व्ही. खड़ीकर मेमोरियल लाईब्रेरी की स्थापना

एनआईटीटीटीआर भोपाल में देश के वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्राध्यापक प्रो. पी. व्ही. खड़ीकर के नाम पर एक लाईब्रेरी की स्थापना की गई। प्रो. पी.व्ही. खड़ीकर मेमोरियल लाईब्रेरी में स्व. प्रो. खड़ीकर के परिवार द्वारा प्रो. खड़ीकर की लगभग 05 हजार पुस्तकें, शोध पत्रिकाए, शोधपत्र, पीएच. डी. थीसिस भेंट की। इस लाईब्रेरी का उद्घाटन प्रो. खड़ीकर की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम खड़ीकर एवं श्री एम.एम. बुच के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर बोलते हुए आईसेक्ट विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. संतोष चौबे ने प्रो. खड़ीकर को निष्काम कर्मयोगी बताते हुए कहा कि उन्होंने जीवन पर्यन्त मूल्यों पर चलते हुए शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने कहा कि प्रो. पी.व्ही. खड़ीकर ने निटर के जर्नल को नई ऊँचाईयां प्रदान की थी। श्रीमती कुसुम खड़ीकर ने निटर भोपाल मे प्रस्तावित एम.एससी. फार्मास्युटिकल कमेस्ट्री में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को प्रति वर्ष प्रो. पी.व्ही. खड़ीकर गोल्ड मेडल देने की घोषणा की। इस अवसर पर प्रो. पी.व्ही. खड़ीकर परिवार के सदस्य एवं दोनों पुत्रियां भी उपस्थित थीं।

संस्था की ओर से प्रो. खड़ीकर की धर्म पत्नी व पुत्रियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. वी.सी. मल, प्रो. एम.पी. पूनिया, एवं एनआईटीटीटीआर परिवार के विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य, अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सृजनात्मकता से सफलता

दिनांक 11 से 15 मार्च 2013 तक विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में "उद्यमिता विकास" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रो. आर.जी. चौकसे ने कहा कि इनोवेशन उद्यमिता का मूल मंत्र है, तकनीकी शिक्षको को अध्यापन के समय छात्रों में जिज्ञासा, खोज, एक्सपेरीमेंटेशन एवं सृजनात्मकता पहल का विकास करना चाहिए। उद्यमी नव तकनीकी का उपयोग कर, समाज के लिये उन्नत मशीनरी, वस्तुएं व सेवाएं प्रदान करते हैं। सफल उद्यमी कभी संतुष्ट न होकर निरंतर अपने उत्पादों को बेहतर बनाने मे प्रयासरत् रहते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षको ने एक प्रोजेक्ट का चयन कर उस प्रोजेक्ट का मार्केटिंग पक्ष समझकर बाजार का सर्वे भी किया। तत्पश्चात् टेक्नो इकोनोमिक फिजिबिल्टी रिसोर्स का निर्माण किया। इस कार्यक्रम में रिस्क टेकिंग एवं बिजनेस प्लानिंग के महत्व को समझाया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. निशीथ दुबे थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. आर.जी. चौकसे ने सहयोग प्रदान किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर समारोह सम्पन्न

दिनांक 8 मार्च 2013 को संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर.के. दीक्षित थे। इस अवसर पर एक संगोष्ठी "प्रोफेशनलिज्म एट वर्कप्लेस" का भी आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. एस.के. सक्सेना एवं प्रो. के.एम. रस्तोगी थे। डॉ. सक्सेना ने कार्यस्थल पर एथिक्स विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने समय का पालन, निंदा से दूर रहना जैसे पहलुओं पर जोर दिया। प्रो. रस्तोगी ने समय प्रबन्धन विषय से श्रोताओं को अवगत कराया। उन्होंने कार्यो को प्राथमिकता के अनुसार वर्गीकृत करके पूर्ण करने के बारे में बताया। इस अवसर पर महिलाओं से संबंधित विषयों पर रचना–पाठ भी किया गया। सुश्री जया नर्गिस, सुश्री समीना फारूख, प्रो. एम.सी. पालीवाल, सुश्री नम्रता सरन, सुश्री सुधा मेहता, डॉ. शिखा लहिरी दास ने भी अपनी रचनाएं सुनाई। डॉ. आर.के. दीक्षित ने कहा कि विश्वस्तर पर महिलाओं का रोजगार लेने की तरफ झुकाव कम होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़कर कार्य करने के पर्याप्त अवसर तो देने ही होंगे साथ–साथ उनकी सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा।

वित्तीय प्रबंधन पर प्रशिक्षण

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अंतर्गत दिनांक 20 मार्च 2013 को "वित्त प्रबंधन" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया किया गया। इस कार्यशाला के उदघाटन सत्र में अतिथि विद्वानों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर दो विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया जिसमें श्री आर.एस. रघुवंशी, महाप्रबंधक, केनरा बैंक एवं श्रीमती सुषमा दुबे डायरेक्टर (वित्त) म.प्र. शासन थी। कार्यशाला के प्रथम सत्र में श्रीमती सुषमा दुबे ने वार्षिक बजट बनाने तथा प्रस्तुत करने संबंधित जानकारियां दी। उन्होंने नए कर्मचारियों को पेंशन स्कीम से अवगत कराया साथ ही कार्यालय में कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका को नियमित रूप से भरने तथा रखरखाव के बारे में विस्तार मे बताया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में श्री आर.एस. रघुवंशी ने बैंक से संबंधित विषयों पर जैसे बैंक लोन के विविध प्रकार, उसकी उपयोगिताएं तथा लोन के समयावधि से भुगतान न करने पर होने वाले नुकसान से अवगत कराया। व्यक्ति किस प्रकार से अपनी पूंजी को व्यय करे तथा स्वास्थ्य बीमा में पूंजी निवेश की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. आशीष देशपाण्डे ने प्रशिक्षणार्थियों को आयकर से संबंधित जानकारी, आयकर बचाने तथा उससे संबंधित निवेश के तरीकों से अवगत कराया एवं ई–रिटर्न भरने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। इस कार्यशाला में 11 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की प्रशंसा की एवं अन्य साथियों के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निवेदन किया।

"ठोस अपशिष्ट प्रबंधन" विषय पर कार्यक्रम

दिनांक 04 से 06 मार्च 2013 तक सिविल एवं पर्यावरण विभाग द्वारा संस्थान में "ठोस अपशिष्ट प्रबंधन" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में "नीड, टाईप्स, कलेक्शन एवं सेगरेशन", मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट" एवं "सेफ डिस्पोजल–वेल्थ फॉर्म वेस्ट" जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में म.प्र. नगर निगम के स्थानीय निकाय के इंजीनियरिंग स्टॉफ के कुल 44 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुब्रत रॉय थे।

''करेन्ट ट्रेन्ड्स इन कम्प्यूटेशनल मैथ्डस इन साइंस एण्ड इंजीनियरिंग'' पर संगोष्ठी

शासकीय मॉडल साइंस कालेज, ग्वालियर में दिनांक 22 से 23 अप्रैल 2013 तक ''करेन्ट ट्रेन्डस इन कम्प्यूटेशनल मैथड्स इन साइंस एण्ड इंजीनियरिंग'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुआ। समापन संस्थान के निदेशक प्रो. अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। यूजीसी द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी में संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने ''कम्प्यूटर एडेड ड्रग डिजाईन'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। कांफ्रेंस का उद्घाटन राजर्षि टण्डन मुक्त वि.वि. के कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी ने किया तथा अध्यक्षता जीवाजी वि.वि. के कुलपति प्रो. एम. किदवई ने की। इस कार्यक्रम में आईआईआईटीएम ग्वालियर के डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने ''बेण्ड गैप इंजीनियरिंग इन नैनो वायर'', डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. उमाशंकर शर्मा, प्रो. आर.एन. प्रसाद, व अन्य लोगों ने अपने–अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। संगोष्ठी में 150 शिक्षाविद्, वैज्ञानिक व रिसर्च स्कॉलर्स ने हिस्सा लिया। प्रो. अग्रवाल ने इस अवसर पर तीन विजेताओं को शील्ड भी प्रदान की। समन्वयक प्रो. डी. कुमार एवं प्राचार्य प्रो. डी.आर. पवैया ने आभार व्यक्त किया।

''रीसेन्ट ट्रेन्ड्स इन एप्लाईड साइंसेस विथ इंजीनियरिंग एप्लीकेशन'' पर संगोष्ठी

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते प्रो. विजय अग्रवाल

ट्रूबा इंजीनियरिंग कालेज, भोपाल में दिनांक 26 से 27 अप्रैल 2013 को ''रीसेन्ट ट्रेन्डस इन एप्लाईड साइंसेस विथ इंजीनियरिंग एप्लीकेशन'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुये। इस अवसर पर प्रो. अग्रवाल ने कहा कि तकनीकी शिक्षण संस्थानों में विज्ञान को दोयम दर्जे का विषय माना जाता है। जबकि मूल विज्ञान के बिना इंजीनियरिंग अधूरी है। जन सामान्य के लिए होने वाले शोध कार्यों को महत्व देना चाहिए। हम सिर्फ अपने बौद्धिक विकास के लिए शोध न करे। रूड़की विश्वविद्यालय के प्रो. राजारानी भार्गव ने क्रेक्स और स्मार्ट मटेरियल विषय पर अपना व्याख्यान दिया। प्रो. पी.के. चांदे ने प्रो. विजय अग्रवाल का स्वागत किया। इस अवसर पर ट्रूबा इंजीनियरिंग कालेज के प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शर्मा भी उपस्थित थे।

''इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन रिन्यूवल एनर्जी सोर्सेस'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

भोपाल के राधारमन इंजीनियरिंग कालेज में दिनांक 29 से 30 अप्रैल 2013 तक ''इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन रिन्यूवल एनर्जी सोर्सेस'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई। एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए कहा कि ऊर्जा पर किये जाने वाले शोध में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए कि ऊर्जा के स्थानांतरण में होने वाली क्षति से बचा जा सके और ऊर्जा के ऐसे विकल्पों को तलाशें जिनकी लागत कम हो। प्रकृति ने हमें सूर्य, वायु, जल के साथ–साथ मिट्टी भी प्रदान की है। सूर्य से प्राप्त होने वाली ऊर्जा कम लागत में उपलब्ध है यह हमारे शोध का विषय होना चाहिए। पानी को उसके अणुओं में विभाजित कर उससे ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है। पवन का वेग चुनौती है। कम वेग की पवन से ऊर्जा प्राप्त करने के लिए विण्ड टरवाईन बनाना हमारे युवाओं के लिए शोध का विषय हो सकता है। युवाओं को शोध के लिए प्रवृत करना शिक्षकों की जिम्मेदारी है। छात्रों का प्रयोगशालाओं के प्रति रूझान कम हो रहा है इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रो. जे.एल. राणा व श्री आर.आर. सक्सेना ने प्रो. विजय अग्रवाल का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया।

संगोष्ठी को संबोधित करते प्रो. विजय अग्रवाल

''नये विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता की नियुक्ति

संस्थान के अध्यक्ष संचालक मंडल की 124वीं बैठक में लिये गये निर्णय के आधार पर निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने विभिन्न विभागों के नये विभागाध्यक्ष व अधिष्ठाता को नियुक्त किया है। दिनांक 12 अप्रैल को निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने संकाय सदस्यो की बैठक को संबोधित करते हुए जानकारी दी कि प्रो. आर.जी. चौकसे को, अधिष्ठाता, अकादमिक नियुक्त किया गया। विभागाध्यक्ष की नियुक्ति के क्रम में प्रो. अनिल कुमार को व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग, प्रो. जे.पी. टेगर को सिविल एवं इन्वायरमेंन्टल इंजीनियरिंग, प्रो. पी.के. पुरोहित को एप्लाईड साइंस, प्रो. शैलेन्द्र सिंह को कम्प्यूटर इंजीनियरिंग एण्ड एप्लीकेशन, प्रो. शरद प्रधान को मैकेनिकल इंजीनियरिंग, प्रो. राजेश्वरी शिवगुण्डे को इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग का विभागाध्यक्ष बनाया गया है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागो के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डी.एस. करौलिया, प्रो. जोसूआ अर्नेस्ट, प्रो. आर.के. दीक्षित, प्रो. के.के. जैन, प्रो. संजय अग्रवाल एवं प्रो. आर.जी. चौकसे ने उनके विभाग द्वारा गत तीन वर्षो में किए गये कार्यो एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्रो. विजय अग्रवाल ने पूर्व विभागाध्यक्षों द्वारा किये गये कार्यो की सराहना की एवं कहा कि उनके प्रयासो से पिछले कुछ वर्षो में संस्थान ने आशातीत प्रगति की है। दिनांक 30 अप्रैल को प्रो. प्रभाकर सिंह ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभागाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। संस्थान परिवार के सदस्यों ने नव–नियुक्त अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष को बधाईयाँ दी।

'पूर्व विभागाध्यक्षों को सफल कार्यकाल पर बधाई

प्रो. जे.पी. टेगर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में

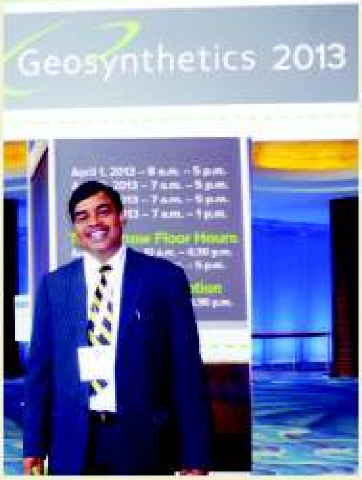

प्रो. जे.पी.टेगर ने दिनांक 25 से 29 मार्च 2013 तक अमेरिका के न्यू ऑरिलिएंस शहर के ल्यूसियाना प्रांत में सोसाईटी फॉर इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी एंड टीचर एजूकेशन द्वारा आयोजित 25 वीं अंतर्राष्ट्रीय कॉफ्रेस में ''टेक्निकल एजूकेशन टीचिंग– हाउ टू टीच'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। यह पेपर प्रो. वी.के.अग्रवाल, निदेशक एवं प्रो. अजय सराठे के द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया गया था। दिनांक 26 मार्च 2013 को प्रो. टेगर को सोसाईटी फॉर इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी एंड टीचर एजूकेशन द्वारा चेयर पर्सन के रूप में भी आमंत्रित किया गया। प्रो. टेगर ने ''बेस्ट प्रेक्टिसेस इन टीचर एजूकेशन'' सत्र का संचालन किया। प्रो. टेगर ने सिविल इंजीनियरिंग की इमर्जिंग ब्रांच – जियोसिन्थेटिक्स पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार एवं उससे संबंधित शार्ट कोर्सेस में भाग लिया। यह अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार एवं शार्ट कोर्सेस अमेरिका के केलिफोर्निया प्रांत के लॉंग बीच स्थित जियोसिन्थेटिक्स इंस्टीट्यूट द्वारा दिनांक 01 अप्रेल से 04 अप्रेल 2013 को आयोजित किया गया।

बधाई / सम्मान

- प्रो. तनुज नंदन, ने प्रबंधन विभाग में प्राध्यापक पद पर कार्यभार ग्रहण किया। संस्थान परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।
- प्रो. प्रियंका त्रिपाठी ने कम्प्यूटर इंजीनियरिंग एवं अनुप्रयोग विभाग में सह–प्राध्यापक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। वे इससे पहले एनआईटी, रायपुर में पदस्थ थीं। संस्थान परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

अकादमिक एवं शोध पत्र लेखन

संस्थान के प्रबंधन विभाग द्वारा दिनांक 8 से 12 अप्रैल 2013 तक ''अकादमिक एवं शोध पत्र लेखन '' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के संकाय सदस्य डॉ. बशीरउल्लाह शेख, डॉ. इज़हार अहमद, डॉ. अभिलाष ठाकुर, डॉ. एम.ए. रिज़वी, डॉ. अंजना तिवारी एवं डॉ. प्रियंका त्रिपाठी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आशीष देशपाण्डे एवं संकाय सदस्य प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट थे।

विस्तार केन्द्र, छत्तीगढ़, रायपुर को मिला नया भवन

संस्थान के छत्तीसगढ़ राज्य के विस्तार केन्द्र के लिए राज्य शासन ने स्थानीय शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक में 5000 स्क्वायर फीट,

जिसमें दो हाल और ऑफिस शामिल हैं, आवंटित किए हैं। विस्तार केन्द्र के माध्यम से राज्य के तकनीकी संस्थानों के लिए विभिन्न स्तरों के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें ऑटो–केड, आई पी नेटवर्किंग, मैंटेनेंस इंजीनियरिंग के एडवांस्ड स्तर के कार्यक्रम, व्यावसायिक शिक्षा और अनुसंधान से जुड़े व्यावहारिक शिक्षण–परक कार्यक्रम तथा पॉलिटेक्निक छात्रों के बेहतर प्रोजेक्ट क्रियान्वयन संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस आवंटन के लिए छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल श्री शेखर दत्त ने राज्य शासन को पत्र लिख कर संस्थान की गतिविधियों के संचालन में सहयोग की अपेक्षा की थी ।

''ए–व्यू'' पर प्रशिक्षण

दिनांक 25 फरवरी से 08 मार्च 2013 तक ए–व्यू आधारित इंडक्शन ट्रैनिंग प्रोग्राम, फेस–1 के द्वारा राजकोट, अहमदाबाद, भावनगर एवं भोपाल के लगभग 70 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत् प्रशिक्षणार्थियों को समय प्रबंधन, सत्र की योजना बनाना, छात्र मूल्यांकन, प्रश्नों एवं प्रश्नों की तैयारी, प्रयोगशाला और उनका आकलन एवं शिक्षण पद्धतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से बताया गया। शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के प्रो. एस.के.सक्सेना ने द्वितीय सप्ताह में संकाय सदस्य के रूप में अपने व्याख्यान दिये तथा प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो. के.के.जैन थे।

डेवलपिंग कोर टीचिंग कांपीटेन्सीज़ फॉर पीजी स्टूडेन्ट्स

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 25 फरवरी से 22 मार्च 2013 तक संस्थान के विभिन्न पीजी पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं हेतु ''डेवलपिंग कोर टीचिंग कांपीटेन्सीज फॉर पीजी स्टूडेंट्स'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र–छात्राओं को पढ़ाने में सशक्त बनाने के लिये तैयार करना था। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षण विधियों का अवलोकन, शिक्षण मीडिया, अनुदेशात्मक उद्देश्य, डिज़ाईनिंग पॉवर पाइंट प्रजेन्टेशन्स, शिक्षण सत्र की योजना, कक्षा संचार, छात्र मूल्यांकन एवं वर्तमान अभ्यास, अध्यापन अभ्यास और आत्म मूल्यांकन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एस.के.सक्सेना थे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. किरण सक्सेना, प्रो. के.एम.रस्तोगी, प्रो. एस.आर.गणोरकर, प्रो. अजीत दीक्षित, डॉ. अंजना तिवारी ने अपने व्याख्यान दिये।

'विश्वस्तरीय सीएनसी मशीन स्थापित

संस्थान द्वारा मैकेनिकल विभाग के कार्य केन्द्र के लिए दो विश्व स्तरीय सीएनसी टर्न 250 व सीएनसी मिल 250 मशीनें क्रय की गई। इन सीएनसी मशीनों के माध्यम से प्रशिक्षणार्थीयों को आधुनिक रूप से प्रशिक्षित किया जावेगा साथ ही ये मशीनें विभाग में चल रहे एम.टेक. के विद्यार्थियों को सीएनसी टेक्नॉलाजी व मेन्यूफेक्चरिंग के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता उत्पादन हेतु प्रशिक्षण देने में अति उपयोगी हैं। इस प्रकार की आधुनिक सुविधा अभी तक केवल आईआईटी संस्थानों में ही उपलब्ध थी, जिसका लाभ अब शहर व प्रदेश के तकनीकी शिक्षक व विद्यार्थी एनआईटीटीआर भोपाल से भी ले पाऐंगे ।

प्रो. सी.एन.आर. राव का व्याख्यान

एनआईटीटीटीआर भोपाल में दिनांक 4 मई 2013 को देश के प्रख्यात वैज्ञानिक प्रो. सी.एन.आर. राव का व्याख्यान आयोजित किया जायेगा। प्रो. राव ''सेलिब्रेशन ऑफ साइंस विषय पर अपना व्याख्यान देंगे। यह व्याख्यान प्रो. एस.एस. भटनागर मेमोरियल व्याख्यान माला के अंतर्गत आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. विजय अग्रवाल करेंगे। इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी एवं शोद्यार्थी भाग लेंगे।

इण्डक्शन फेज–2 आयोजित

विस्तार केन्द्र गोवा में दिनांक 8 से 19 अप्रैल 2013 तक इण्डक्शन फेज–2 कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से तकनीकी संकाय सदस्यों को एडवान्स टीचिंग मेथड्स, करिकुलम एनालिसिस, प्रोजेक्ट डिजाईनिंग, लेबोरेटरी एक्सपेरिमेन्ट डिजाईनिंग एवं कन्डक्शन ऑफ डिमॉन्शट्रेशन और केस स्टेडी मेथड के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एलेन संजय रोचा थे तथा विशेषज्ञ के रूप में डॉ. एलेन कामत, प्रो. माधव कामत व प्रो. नरेन्द्र कामत ने व्याख्यान दिये।

अक्षय ऊर्जा में भविष्य

विस्तार केन्द्र गोवा में दिनांक 22 से 26 अप्रैल 2013 तक ''अक्षय ऊर्जा में भविष्य'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन एनआईटीटीटीआर व ऊर्जा एवं श्रोत संस्थान गोवा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एलेन संजय रोचा थे। विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री मुगरीश पाईगाइकर, सुश्री सोन्या फर्नान्डिस, डॉ. फ्रेडी डिसूजा, श्री अश्विनी पंडीकर, सुश्री शोवना काजी थी।

सेवा निवृत्ति पर कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के प्रो. सी.के. चुघ एवं वरिष्ठ निजी सहायक श्री एम.ए. कदीर दिनांक 30 अप्रैल 2013 को सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने प्रो. चुघ एवं श्री कदीर के उत्कृष्ट योगदान को याद कर उन्हें भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर प्रो. आर.जी. चौकसे, प्रो. आर. के. दीक्षित, प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. के.के. जैन, प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन, प्रो. बी.एल. गुप्ता एवं डी.के तिवारी ने भी अपने उदगार व्यक्त किये। इस अवसर पर श्री चुघ व श्री कदीर के परिवार एवं संस्थान परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रो. चुघ एवं श्री कदीर ने अपने उदगार भी व्यक्त किये। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. अस्मिता खजांची ने किया।

डॉ. वंदना सोमकुंवर को ''शिक्षा रत्न पुरस्कार

इंडिया इंटरनेशनल फ्रेन्डशिप सोसायटी द्वारा 15 अप्रेल 2013 को नई दिल्ली में आयोजित इकोनॉमिक ग्रोथ एंड नेशनल इन्टीग्रेशन सेमिनार में डॉ. वंदना सोमकुंवर ने भाग लिया। इस सेमिनार में डॉ. वंदना सोमकुंवर को उनके शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'शिक्षा रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें डॉ. भीष्म नारायण सिंह, आसाम एवं तमिलनाडु के पूर्व राज्यपाल, एवं डॉ. जी.वी.जी. कृष्णामूर्ति, पूर्व निर्वाचन आयुक्त, भारत सरकार द्वारा दिया गया।

प्रो. नारायण खेड़कर द्वारा संस्थान का भ्रमण

महात्मा गांधी मिशन कालेज, ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी के महानिदेशक डॉ. के.जी. नारायण खेड़कर ने 20 अप्रैल 2013 को संस्थान का भ्रमण किया। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने प्रो. नारायण खेड़कर का स्वागत किया। प्रो. विजय अग्रवाल व प्रो. नारायण खेड़कर ने एनआईटीटीटीआर, भोपाल व महात्मा गांधी मिशन के अंतर्गत आने वाले विभिन्न तकनीकी संस्थानों के बीच आपसी समन्वय के आधार पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन पर सहमति व्यक्त की। प्रो. खेड़कर ने विशेष रूप से ''एप्लाईड मैकेनिक्स'' के पाठयक्रम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की। इस कार्यक्रम में प्रो. शरद प्रधान व प्रो. के.के. पाठक प्रशिक्षण प्रदान करेंगें।

एक शाम चंद्रकांत देवताले के नाम

हिंदी के वरिष्ठ कवि और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित श्री चंद्रकांत देवताले पर केंद्रित एक कार्यक्रम राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के मणि सभागार में दिनॉक 29 मार्च 2013 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में श्री चंद्रकांत देवताले की बातचीत के साथ–साथ उनकी कविताओं का पाठ भी हुआ। यह कार्यक्रम भोपाल की विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं, प्रगतिशील लेखक संघ, हिंदी साहित्य सम्मेलन, जनवादी लेखक संघ, स्पंदन तथा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वश्री संतोष चौबे, श्री राजेश जोशी, श्री पलाश सुरजन, श्री राजेंद्र शर्मा, श्री पूर्णचंद्र रथ, श्री कुमार अंबुज, सुश्री उर्मिला शिरीष तथा प्रो. विजय कुमार अग्रवाल, निदेशक, एनआईटीटीटीआर आदि उपस्थित थे।

विस्तार केन्द्र, रायपुर द्वारा प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन

संस्थान के छत्तीसगढ़ राज्य के विस्तार केन्द्र द्वारा शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक में इलेक्ट्रोनिक एण्ड टेलीकम्यूनिकेशन विभाग के सत्र 2013 के चतुर्थ व छटवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों को मौलिक एवं अभिनव प्रोजेक्ट निर्माण में मार्गदर्शन दिया जा रहा है। संस्था के प्राचार्य प्रो. ए.के. खैरवार तथा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एस.डी. बर्मन के निर्देशन में चतुर्थ सेमेस्टर की 48 छात्राओं के 10 माइनर व छटवें सेमेस्टर की 25 छात्राओं के 06 मेजर प्रोजेक्ट तैयार किए गए हैं जिसको संकायगण प्रो. श्रद्धा तिवारी, रश्मि स्वामी, जितेन्द्र देवांगन और सुनील श्रीवास्तव ने विभागाध्यक्ष प्रो. एस.डी. बर्मन के मार्गदर्शन में कार्यान्वित किया जा रहा है। समस्त छात्राओं ने प्रोजेक्ट निर्माण व परीक्षण नियत प्रारूप के अनुसार अति उत्साह और लगन से किया। संकायगणों ने बताया कि प्रोजेक्ट निर्माण सिखाने की विधि के उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त हुये है। छात्राओं का विषय के प्रति रूझान और व्यावहारिक ज्ञान, उनकी शिक्षण कार्यो में रूचि इस बात के स्पष्ट संकेत है। विस्तार केन्द्र की ओर से प्रो. पीयूष वर्मा और प्रो. यू.के. जैन ने मौलिक प्रोजेक्ट चुनाव, प्रक्रिया निर्धारण व क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान किया।

''प्रोजेक्ट प्लानिंग एंड मैनेजमेंट'' विषय पर कार्यक्रम

दिनांक 11 से 15 मार्च 2013 तक सिविल एवं पर्यावरण विभाग द्वारा संस्थान में ''प्रोजेक्ट प्लानिंग एंड मैनेजमेंट'' विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ''कांसेप्ट ऑफ ए प्रोजेक्ट, ''नीड ऑफ ए प्रोजेक्ट'', ''लॉजिकल फ्रेमवर्क'' एवं ''प्रोजेक्ट इनफॉरमेशन मैनेजमेंट–सीपीएम'' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया । कार्यक्रम में म.प्र. नगर निगम के शहरी स्थानीय निकाय के इंजीनियरिंग स्टॉफ के कुल 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया । कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुब्रत रॉय, प्राध्यापक थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. वी.एच.राधाकृष्णन, प्रो. आर.के.दीक्षित एवं प्रो. बी.एल.गुप्ता ने व्याख्यान दिये ।

मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. पल्लम राजू का भोपाल आगमन

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के प्रथम दीक्षांत समारोह में देश के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. एम.एम. पल्लम राजू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वे आईसर भोपाल के प्रथम बैच के स्नातक विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रो. सी.एन.आर. राव, अध्यक्ष प्रधानमंत्री वैज्ञानिक सलाहकार परिषद, विशिष्ट अतिथि के रूप में एवं प्रो. माधव गाडगिल, अध्यक्ष, संचालक मंडल, आईसर, भोपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। एनआईटीटीटीआर, भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगें। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मेडल एवं पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे।

आगामी महीनों में प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम/PROGRAMMES FOR POLYTECHNICS/ENGINEERING COLLEGES

No.	TITLE	DURATION	VENUE
1	Emotional Intelligence	01-05 July 13	Bhopal
2	PC Maintenance and Computer Hardware	01-05 July 13	Raipur
3	Managing Engineering Workshop Effectively	01-05 July 13	Dhamatari
4	Accreditation and Academic Audit	01-05 July 13	Ahmedabad
5	Drug Delivery System and Nanotechnology	01-05 July 13	Pune
6	Industrial Training for Newly Recruited Teachers	01-12 July 13	Bhopal
7	Finite Element Method	08-19 July 13	Bhopal
	Management of Change and Innovations	08-12 July 13	Bhopal
8	CAD using Inventor	08-12 July 13	Bhopal
9	Cloud Computing	08-12 July 13	Goa
10	Energy Efficient Electrical Motors and Advances in Transformer Manufacturing	08-12 July 13	Bhopal
11	Copy Right, IPR & Patents in India.	08-12 July 13	Nasik
12	Numerical Methods and its Applications in Engineering and Science	08-12 July 13	Pune
13	Induction Phase-I	08-19 July 13	Bhopal
14	Induction Phase-I	08-19 July 13	Pune
15	Managerial Skills for Technical Teachers & Administrators	08-19 July 13	Ahmedabad
16	Advances in Computer Science & IT Engineering	08-19 July 13	Ahmedabad
17	DCE-4 Finite Element Method	08-19 July 13	Bhopal
18	Entrepreneurship Development	15-19 July 13	Jagdalpur
19	Student Assessment and Curriculum Implementation	22-26 July 13	Jagdalpur
20	Soft Skills for Professional Effectiveness	22-26 July 13	Bhopal
21	Developing Basic Concepts in Chemistry & Pharmacy Practical	22-26 July 13	Bhopal
22	Book Keeping & Accounting Using Tally Software	22- 26 July 13	Bhopal
23	Developing Model Question Papers, Lab Practices and Mini Project Work-Leading to Skill Development in Textile Technology, Costume Design and Dress Making (For I to IV Semester of Diploma Programme)	22-26 July 13	Ahmedabad
24	Effective Communication & Time Management for Personality Development	22-26 July 13	Goa
25	PSS-2 Operation and Maintenance of Lab Equipments	22-26 July 13	Bhopal
26	Auto CAD (Basic and Advance) for Civil Engineers	22 July - 02 Aug 13	Bhopal
27	Induction Phase-II	22 July - 02 Aug 13	Nasik
28	Induction Phase-II	22 July - 02 Aug 13	Ahmedabad
29	MATLAB software	22 July - 02 Aug 13	Bhopal
30	Planning and Managing Laboratory (For Faculty and Supporting Staff)	29 July - 02 Aug 13	Nasik
31	CNC Programming and Simulation	29 July - 02 Aug13	Bhopal
32	Programming in HTML and XML	29 July - 02 Aug 13	Bhopal
33	Designing Questions and Development of Question Bank	05-09 Aug 13	Bhopal
34	Guidance, Counseling and Motivational Skills	05-09 Aug 13	Bhopal
35	People Management and Team Building	05-09 Aug 13	Bhopal
36	PSS-3 Effective Modern Office Management	12-16 Aug 13	Bhopal
37	Industrial Training for Newly Recruited Teachers	19-30 Aug 13	Bhopal
38	Induction Phase-I	19-30 Aug 13	Ahmedabad
39	Renewable Energy Systems	19- 30 Aug 13	Bhopal
40	Application of Civil Engineering Soft-wares	19-30 Aug 13	Bhopal
41	Managing Stress at Work	29 July -2 Aug13	Ahmedabad
42	Laboratory Development for Imparting Skills	05-09 Aug 13	Goa
43	2D Animation	19-30 Aug 13	Goa

मुख्य संरक्षक : प्रो. अमिताभ घोष, संरक्षक : प्रो. विजय अग्रवाल, निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित
सहसंपादक : श्री एस. एस. अस्थाना, छायांकन : श्री ए. एल. विश्वकर्मा
आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित